vkj- ,u- vkbZ- u- UPHIN/2010/32566 Mkd- iath;u- l[;k& SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

o"kZ % 14 vad % 16 y[kuÅ] 'kdokj 28 tqykbZ 2023 ls 06 vxLr 2023 rd i"B&8 eY; % ,d :i;k

इंडिया गठबंधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तंज, भ्रष्टाचारियों-परिवारवादियों ने अपनी जमात का नाम बदल लिया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन दिनों विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन पर निशाना साधने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। आज गुजरात के राजकोट में भी उन्होंने अपने संबोधन के दौरान इंडिया पर जबरदस्त तरीके से प्रहार किया है। मोदी ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि जब जब देश आगे बढ़ रहा है, तो कुछ लोगों को यह पसंद नहीं आ रहा है...वे इस बात से परेशान हैं कि लोगों के सपने पूरे हो रहे हैं, इसलिए इन भ्रष्टाचारियों और वंशवादियों ने अपने समूह का नाम बदल दिया है। चेहरे, पाप, आदतें सब वही हैं, लेकिन समूह का नाम बदल दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नए अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, राजकोट का उद्घाटन किया। इस दौरान उनके साथ गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी मौजूद रहे। मोदी ने कहा कि आज राजकोट के साथ-साथ पूरे गुजरात और सौराष्ट्र के लिए बड़ा दिन है। मैं उन परिवारों के प्रति संवेदना जताना चाहता हूं जिन्हें प्राकृतिक आपदाओं के चलते काफी नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि सभी परिवारों का जीवन जल्द से जल्द सामान्य हो इसके लिए भूपेंद्र सरकार काम कर रही है, इसमें केंद्र सरकार भी हर संभव मदद कर रही है। मोदी ने कहा कि जब मैं मुख्यमंत्री था तब मैंने कहा था कि

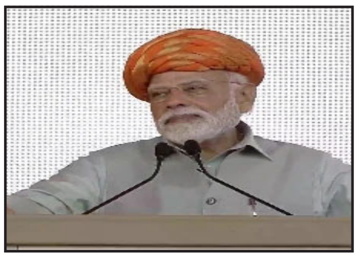

गुजरात तो मिनी जापान बन रहा है तब बहुत लोगों ने मेरा मजाक उड़ाया था लेकिन आज वे शब्द आपने सच कर के दिखा दिया। यहां के किसानों के लिए अब फल-सब्जियों को विदेश भेजना आसान हो जाएगा। राजकोट को सिर्फ एक हवाईअड्डा नहीं बल्कि नई ऊर्जा-नई उड़ान देने वाला एक पावरहाउस मिला है। राजकोट में प्रधानमंत्री ने कहा कि यह हमारी सरकार है जिसने कोरोना महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध के बावजूद महंगाई को काबू में कर के रखा है। आज हमारे पड़ोस के देशों में २५-३० दर से महंगाई बढ़ रही है लेकिन भारत में ऐसा नहीं है...हमारी सरकार की पूरी कोशिश है कि मध्यम वर्ग की जेब में ज्यादा से ज्यादा बचत हो। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की नीतियों और निर्णयों से कैसे आपके पैसे बच रहे हैं, इसका एक उदाहरण आपका मोबाइल फोन भी है। आज अमीर हो या गरीब, अधिकांश लोगों के पास मोबाइल फोन जरूर होता है। आज हर भारतीय हर महीने औसतन करीब २० GB डेटा इस्तेमाल करता है। मोदी ने कहा कि पहले देश के लोगों को बिजली पानी का बिल भरने के लिए, अस्पताल में इलाज के लिए लाइन में लगना पड़ता था। बीमा और पेंशन के लिए भी भरपूर समस्याओं का सामना करना पड़ता था। टैक्स रिटर्न फाइल करने के लिए भी मुसीबतों का सामना करना पड़ता था। हमनें डिजिटल इंडिया से इन सभी समस्याओं का समाधान किया।

मत्स्य निगम के कर्मचारियों को जल्द मिलेगा 7वें वेतनमान का लाभ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मत्स्य मंत्री डॉ संजय कुमार निषाद ने गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से ५ कालिदास स्थित उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। मुलाकात के दौरान मंत्री डॉ संजय कुमार निषाद ने मत्स्य विभाग और मछुआ समाज के हितों में कई प्रस्ताव को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से चर्चा की। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मत्स्य विकास निगम के चेयरमैन रामाकांत निषाद भी साथ मे मौजूद रहे। मत्स्य मंत्री डॉ संजय कुमार निषाद ने ग्राम समाज व राजस्व के पोखरो पर राजस्व की हो रही हानि को लेकर सीएम योगी को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि पूर्व की सरकार ने मछुआ समाज के अहित में लागान लगाया था, जिससे अभी आधे से ज्यादा राजस्व विभाग के पोखरे खाली है या फिर उनका पट्टा नही हुआ है। जिसको लेकर मत्स्य मंत्री ने राजस्व विभाग के तालाबों को मत्स्य विभाग को दिए जाने की मांग की और बताया

कि ऐसा होने से राजस्व हानि नहीं होगी। इसके अलावा डॉ संजय कुमार निषाद ने मत्स्य विभाग में कर्मचारियों की कमी होने के कारण रिक्त पड़े पदों की भर्ती को लेकर भी सीएम योगी से चर्चा की। साथ ही हर ग्राम सभा में आउटसोर्सिंग पर मत्स्य मित्र की भर्ती का भी प्रोपोजल रखा। जिसको लेकर मुख्यमंत्री ने जल्द निर्णय लेने का आश्वासन दिया है। वहीं मत्स्य मंत्री डॉ संजय कुमार निषाद ने बताया कि मत्स्य निगम के कर्मचारियों का ७वें वेतन आयोग लागू करने के लिए प्रस्ताव भेजा गया था। सीएम योगी ने ७वें वेतन आयोग की सहमति दे दी है और जल्द ही मत्स्य निगम के कर्मचारियों को ७वें वेतनमान का लाभ मिलने लगेगा ।

सरकार को चेतावनी. उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक की बैठक आहूत

लखनऊ। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ क्षेत्र इकाई सरोजिनी नगर के समस्त पदाधिकारियों एवं शिक्षकों की आज दिनांक २७ जुलाई २०२३ को प्राथमिक विद्यालय बन्थरा के प्रांगण में २ बजे से बैठक आहूत की गई। बैठक में सैकड़ों शिक्षकों ने प्रतिभाग किया और निर्णय लिया गया कि उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के मांग पत्र के क्रम में जो भी दिशा निर्देश प्रदेश द्वारा दिए जाएगें उनका अक्षरशः पालन किया जाएगा। बैठक में १००ः शिक्षकों को प्रोन्नत वेतनमान, राजकीय कर्मचारियों के समान कैशलेस चिकित्सा, पुरानी पेंशन बहाली ३० दिन की ईएल, दूसरे शनिवार को अवकाश सहित १८ सूत्रीय मांग पत्र पर निर्णय लेकर सरकार लागू करें अन्यथा की स्थिति में शिक्षक संगठन धरना प्रदर्शन के लिए विवश होंगे। बैठक में प्रांतीय मंत्री वंदना सक्सेना, जिला अध्यक्ष सुधांशु मोहन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओमप्रकाश कुशवाहा, मंत्री धीरेंद्र कुमार, कोषाध्यक्ष जगत नारायण, उपाध्यक्ष कुंदन कुमार प्रदीप पांडे शैलेंद्र सिंह, सत्यपाल, संगठन मंत्री नीलम मिश्रा, संगीता सिंह, प्रेमलता सहित समस्त पदाधिकारी सैकड़ों की संख्या में शिक्षक उपस्थित हुए।

शक्ति भवन में खुशी की लहर, बंट रही मिठाई

लखनऊ। यूपीपीसीएल के चौयरमैन एम देवराज का ट्रांसफर किया गया है। उनकी जगह पर हाल ही में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटे आशीष गोयल को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं इस खबर के आते ही राजधानी के शक्ति भवन में मिठाइयां बांटी गयी हैं। एक कर्मचारी ने नाम ना लिखने की शर्त पर कहा कि पूर्व चौयरमैन के सख्त रवैये से कई कर्मचारी और अधिकारी नाखुश थे। हालाँकि एम देवराज की कार्यकुशलता का लोहा सब मानते हैं। ट्रांसफर के बाद से शक्ति भवन में खुशी की लहर है। एम देवराज को अब प्राविधिक शिक्षा विभाग का प्रमुख सचिव बना दिया गया है। बता दें कि लंबे समय से यूपीपीसीएल के कर्मचारी एम देवराज ट्रांसफर की मांग कर रहे थे।

जन समस्याओं के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : सीएम योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि जन समस्यायों के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को पांच कालीदास मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास पर जनता दर्शन में आए १८० लोगों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सबकी समस्याएं सुनीं और उनके गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील रवैया अपनाया जाए और उसकी समस्या का समाधान कर उसे संतुष्ट किया जाए। इसमें किसी भी तरह की कोताही हरगिज ना करें। सीएम योगी एक-एक करके सबके पास खुद गए और सभी की समस्याओं को विस्तार से जाना। उन्होंने सभी लोगों को आश्वस्त किया कि किसी को भी चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का समाधान कराया जाएगा। उन्होंने प्रार्थना पत्रों को विषयानुसार प्रशासन व पुलिस के अफसरों को हस्तगत करते हुए जरूरी निर्देश दिए। जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर आए थे। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज संबंधी इस्टीमेट की प्रक्रिया पूर्ण करते हुए जल्द शासन को उपलब्ध कराया जाए। हर जरूरतमंद को इलाज के लिए भरपूर सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। वहीं भूमि और संपत्ति विवाद के मामलों को संबंधित अधिकारियों को भेजकर जल्द से जल्द निस्तारित करने के निर्देश दिये।

एम देवराज समेत चार पै अफसरों के हुए तबादले

लखनऊ। यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार ने UPPCL के चेयरमैन एम देवराज समेत चार आईएएस अफसरों को आज गुरुवार को तबादला कर दिया। एम देवराज के स्थान पर आशीष गोयल अब UPPCL के चेयरमैन बनाए गए हैं। आशीष गोयल अभी हाल ही में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटे हैं। वहीं एम देवराज को अब प्राविधिक शिक्षा विभाग का प्रमुख सचिव बना दिया गया है। बता दें कि लंबे समय से यूपीपीसीएल के कर्मचारी एम देवराज ट्रांसफर की मांग कर रहे थे। वहीं, IAS

अफसर नरेंद्र भूषण को वेटिंग में रखा गया है। वहीं IAS कल्पना अवस्थी का भी ट्रांसफर किया गया है। उन्हें अब उपाम का निर्देशक बनाया गया है। IAS अनिल सागर को अब IT इलेक्ट्रॉनिक्स का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

सम्पादकीय

मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नियमों के तहत आवश्यक ५० सांसदों की संख्या के बाद लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई द्वारा सरकार के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। इस प्रस्ताव को विपक्षी इंडिया गठबंधन और भारत राष्ट्र समिति के घटकों ने समर्थन दिया है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई द्वारा बुधवार को लोकसभा में पीएम मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने के एक दिन बाद, सीपीआई सांसद बिन य विश्वम ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन के कई दलों को लगता है कि प्रस्ताव मजबूत और अधिक प्रभावी होता। यदि इसने अन्य भारतीय पार्टियों का प्रतिनिधित्व किया होता। बिन य विश्वम ने कहा कि केवल सीपीआई ही नहीं, बल्कि कई अन्य दलों ने जिम्मेदार तरीके से आपत्ति जताई। कांग्रेस नेतृत्व ने इसे समझा और वे इतने लोकतांत्रिक हैं कि वे सहमत हुए कि यह जल्दबाजी में हुआ। म नसून सत्र की शुरुआत से ही विपक्षी दल मांग कर रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मणिपुर में हिंसक स्थिति पर संसद में बयान दें। कई दिनों के विरोध और हंगामे के बाद, विपक्ष ने बुधवार को सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए दो अलग–अलग नोटिस दिए, मकसद सीधा सा है कि प्रधानमंत्री को जवाब देने के लिए मजबूर किया जाए। संविधान निर्दिष्ट करता है कि प्रधानमंत्री मंत्रिपरिषद का प्रमुख होता है। इसलिए, जब भी सांसद लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा करते हैं तो पीएम बहस का जवाब देते हैं। विपक्षी दलों के इस कदम के लिए पीएम को चर्चा के दौरान उनके द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब देना होगा। संसद के रिक र्ड बताते हैं कि २०१६ में शुरू हुए मौजूदा लोकसभा के कार्यकाल के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने सात बहसों में हिस्सा लिया है। इनमें से पांच हस्तक्षेप तब आए जब उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर वार्षिक बहस का जवाब दिया। अन्य दो अवसर थे (प) फरवरी २०२० में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की स्थापना के बारे में सदन को सूचित करते और (पप) २०१६ में नवनिर्वाचित अध यक्ष, ओम बिड़ला को सम्मानित करते हुए भाषण दिया। विपक्ष ने इस बात की भी आलोचना की है कि पीएम ने मणिपुर पर सदन के बजाय संसद के बाहर बोलने का विकल्प चुना। अतीत में, जब सत्र चल रहा था तो प्रधानमंत्रियों और मंत्रियों ने संसद के बाहर नीति और अन्य घोषणाएँ की थीं। लोकसभा के लगातार अध्यक्षों ने फैसला सुनाया है कि ऐसी घोषणाएं करने से संसदीय विशेषाधिकार का उल्लंघन नहीं होता है। भारत की कैबिनेट सरकार में, मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होती है। लोकसभा के नियम यह जांचने के लिए अविश्वास प्रस्ताव की व्यवस्था प्रदान करते हैं कि मंत्रिपरिषद को सदन का विश्वास प्राप्त है या नहीं। अब तक सत्ताईस अविश्वास प्रस्ताव लाए जा चुके हैं। इनमें से कोई भी प्रस्ताव, जिसमें २०१८ में पहली मोदी सरकार के खिलाफ प्रस्ताव भी शामिल है, सफल नहीं हुआ है। मौजूदा सरकार के पास लोकसभा में बड़ा बहुमत है और मौजूदा अविश्वास प्रस्ताव के भी खारिज होने की संभावना है। १६७६ में प्रध ाानमंत्री मोरारजी देसाई को एहसास हुआ कि उनके पास अधिकांश सांसदों का समर्थन नहीं है और इसलिए सदन ने प्रस्ताव पर मतदान करने से पहले इस्तीफा दे दिया। विपक्षी दलों ने सरकार को जवाबदेह ठहराने के लिए अविश्वास प्रस्ताव पर जोर देना जारी रखा है। १६६३ में जेबी पलानी ने लोकसभा में पहला अविश्वास प्रस्ताव पेश किया, भले ही प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सरकार के पास पर्याप्त बहुमत था। आचार्य पलानी ने अपने भाषण की शुरुआत करते हुए कहा, ऐसी सरकार के खिलाफ यह प्रस्ताव लाना मेरे लिए बेहद अफसोस की बात है, जो मेरे लगभग ३० साल पुराने कई पुराने दोस्तों के साथ चलाया जा रहा है। लेकिन कर्तव्य की पुकार और अंतरात्मा की आवाज सर्वोपरि है। यहां किसी भी भावना का कोई सवाल ही नहीं हो सकता है। अपने उत्तर में नेहरू ने कहा कि सरकारों का समय–समय पर परीक्षण किया जाना अच्छा है, तब भी जब उनके पराजित होने की कोई संभावना न हो। लोकसभा की प्रक्रिया के नियम निर्दिष्ट करते हैं कि अविश्वास प्रस्ताव स्वीकार होने के बाद, अध्यक्ष उस तारीख को निर्दिष्ट करेगा जिस दिन बहस शुरू होगी। यह तारीख सदन में प्रस्ताव स्वीकार होने की तारीख से १० दिन के भीतर होनी चाहिए। १६८७ से अब तक छह अविश्वास प्रस्ताव आ चुके हैं। चार मौकों पर, बहस उसी तारीख को शुरू हुई जब प्रस्ताव स्वीकार किया गया था। बहस आयोजित करने में सबसे लंबा समय छह दिनों का रहा है। १६६२ में, जब प्रधान मंत्री पी वी नरसिम्हा राव की सरकार को अपने पहले अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ा था। २०१८ का अविश्वास प्रस्ताव १८ जुलाई को स्वीकार किया गया और चर्चा २० जुलाई को शुरू हुई। बहस कई घंटों, कई दिनों तक चल सकती है। २०१८ की बहस लगभग १२ घंटे की थी। २००३ में प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के खिलाफ सोनिया गांधी के एक प्रस्ताव पर, दो दिनों में २१ घंटे लग गए।

बौद्ध मठ तोड़कर बनाया गया मंदिर : स्वामी प्रसाद

लखनऊ। ज्ञानवापी परिसर में एएसआई सर्वे के मामले पर सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य का एक विवादित बयान सामने आया है। गइससे पहले सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य का विवादित बयान सामने आया है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने ज्ञानवापी परिसर में एएसआई सर्वे को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर ज्ञानवापी में सर्वे हो रहा है तो देश के सभी मंदिरों का भी सर्वे होना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने बद्रीनाथ समेत भारत के हिंदू मंदिरों को लेकर भी और भी विवादित बयान दिया है। सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि बद्रीनाथ मंदिर पहले बौद्ध मठ था। जिसे बाद में मंदिर बना दिया गया। उन्होंने बताया कि ८वीं शताब्दी तक बद्रीनाथ धाम बौद्ध मठ था। इसके बाद आदि शंकराचार्य ने उसे हिन्दू मंदिर बना दिया। अगर एएसआई ज्ञानवापी मस्जिद का सर्वे कर

रहा है तो वो जितने भी हिन्दू धार्मिक स्थल हैं, उनकी भी जांच होनी चाहिए।उन्होंने आगे कहा कि वह गड़े मुर्दे उखाड़ना नहीं चाहते हैं। इसलिए आज तक उन्होंने इस मुद्दे को नहीं उठाया। वह हिन्दू मुस्लिम सिख ईसाई आपस में सब भाई–भाई में विश्वास रखते हैं। आपसी भाईचारे और सौहार्द्र में भरोसा रखते हैं और समाज को बांटने में नहीं बल्कि जोड़ने में यकीन रखते हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य ने रामचरितमानस के बाद एक बार फिर हिंदू धर्म को लेकर विवादित टिप्पणी की है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि जितने भी हिन्दू धार्मिक स्थल उनमें से ज्यादातर मंदिर पहले बौद्ध मठ थे, उन्हें तोड़कर हिंदुओं का तीर्थ स्थल बनाया गया है। अगर गड़े मुर्दे उखाड़ने की कोशिश की जाएगी तो बात बहुत दूर तक जाएगी। इसलिए १५ अगस्त १६४७ तक जो भी स्थिति थी उसे ही मानना चाहिए।

सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए INTACH के साथ ऐतिहासिक समझौता

लखनऊ। एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग ने इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (प्छज।ब्भ), लखनऊ के साथ एक समझौता ज्ञापन (डवन) पर हस्ताक्षर किए।. हस्ताक्षर समारोह में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय और इंटेक, नई दिल्ली के ए एंड एमएच डिवीजन के प्रधान निदेशक श्री नीलाभ सिन्हा सहित सम्मानित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। यह अग्रणी समझौता एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग दुनिया में संरक्षण केंद्रों के सबसे बड़े नेटवर्क प्छज।ब्भ के साथ हाथ मिलाने वाला भारत का पहला विभाग बन गया है। प्छज।ब्भ, दुनिया में संरक्षण केंद्रों का सबसे बड़ा नेटवर्क है जिसके केंद्र बैंगलोर, भुवनेश्वर, जोधपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई और नई दिल्ली जैसे प्रमुख शहरों में हैं। समझौता ज्ञापन पुस्तकालय विज्ञान के छात्रों के लिए एक समृद्ध शिक्षण अनुभव की नींव रखता है, जिसमें विभिन्न दस्तावेजी संसाधनों, पांडुलिपियों, दुर्लभ पुस्तकों, पुरानी पेंटिंग और स्वदेशी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने पर मुख्य ध्यान दिया गया है। इस सहयोग के माध्यम से, प्रशिक्षण कार्यशालाओं और इंटर्नशिप कार्यक्रमों जैसी शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन करेगा, जिससे छात्रों को अनुभवी पेशेवरों से सीखने और संरक्षण और संरक्षण तकनीकों की सैद्धांतिक अवधारणाओं को लागू करने के मूल्यवान अवसर मिलेंगे। पुस्तकालय विज्ञान के छात्र अभिलेखागार, संग्रहालय, कला दीर्घाओं, राज्य सूचना केंद्रों और रामपुर रजा लाइब्रेरी और खुदा बख्श ओरिएंटल पब्लिक लाइब्रेरी जैसे प्रसिद्ध विरासत पुस्तकालयों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने में सक्षम होंगे। यह व्यावहारिक दृष्टिकोण उन्हें देश के भीतर और विदेशों में भारत की समृद्ध बौद्धिक और सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा और संरक्षण में अपने ज्ञान और कौशल को लागू करने में सक्षम करेगा। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने सहयोग के लिए अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, 'विभाग की यह पहल भावी पीढ़ियों के लिए हमारी विरासत को संरक्षित और संरक्षित करने में समाज और देश की सेवा करने का एक प्रयास है।' एमओयू पर प्रोफेसर पूनम टंडन, डीन अकादमिक और डीन छात्र कल्याण,

लखनऊ विश्वविद्यालय, डॉ. धर्मेन्द्र मिश्रा, निदेशक, INTACH, लखनऊ, प्रोफेसर बबीता जायसवाल, विभागाध्यक्ष और डॉ. अंजलि गुलाटी, एसोसिएट प्रोफेसर, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग की सम्मानित उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। लखनऊ विश्वविद्यालय और INTACH के बीच यह ऐतिहासिक सहयोग भारत की सांस्ेतिक विरासत को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है, यह सुनिश्चित करता है कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए बनी रहे।

मणिपुर हिंसा को लेकर ईसाई महिलाओं ने निकाला मूक एकजुटता मार्च

लखनऊ। मणिपुर में महिलाओं के साथ हुई हैवानियत की घटना को लेकर पूरे देश में विरोध जारी है। मणिपुर हिंसा को लेकर वहां के लोगों और खासकर महिलाओं के साथ अपना प्यार और एकजुटता दिखाने के लिए गुरुवार को महिला मंडल व वूमेन एसोसिएशन ऑफ द डायोसेस अ फ लखनऊ ने हजरतगंज स्थित कैथेड्रल चर्च में साइलेंट स लिडैरिटी मार्च निकाला। जिसमें लखनऊ की कई पारिशों को ईसाई महिलाओं ने मणिपुर में महिलाओं के खिलाफ हिंसा पर अपनी पीड़ा और दुख व्यक्त करते हुए तख्तियों के साथ मौन मार्च करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की। चर्च के फादर डॉ. डोनाल्ड डी सूजा ने बताया कि लखनऊ शहर की ईसाई महिलाओं ने सेंट जोसेफ कैथेड्रल चर्च के चारों ओर मूक एकजुटता मार्च किया। इस मार्च में ईसाई महिलाओं के साथ–साथ उनके परिवार और दोस्तों ने भी भाग लिया। उन्होंने आगे बताया कि मूक एकजुटता मार्च करीब करीब एक घंटे तक चला। जिसमें सभी लोगों में शांति मन से ईश्वर से मणिपुर की खुशहाली के लिए और महिलाओं की रक्षा के लिए प्रार्थना की। वहीं इस शांति मार्च के बाद सभी लोग अपने–अपने घर लौट गये।

माती अस्पताल, पेट सी.टी. स्कैन का उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया उद्घाटन

लखनऊ। प्रदेश के किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा, चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने गुरुवार को माती अस्पताल, पेट सी.टी. स्कैन और रूफटाप सोलर पावर प्रोजेक्ट का बटन दबाकर उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रदेश सरकार प्रत्येक मरीज को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिले, इसके प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री के आयुष्मान योजना के तहत गरीबों को चिकित्सा में मदद की जा रही है। इन सबके बावजूद केजीएमयू को भी ऐसा कार्य करना होगा कि प्रत्येक मरीज को संतुष्टि मिले, और दुनिया में चिकित्सा का रोल माडल बने। उन्होंने कहा कि केजीएमयू चिकित्सा के क्षेत्र में वर्ल्ड क्लास सेंटर बने, इसके लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि केजीएमयू का चिकित्सा क्षेत्र में दुनियाभर में नाम है। इस संस्थान को १०० वर्ष

हो गये मरीजों की सेवा करते हुए। इस अवधि में चिकित्सा विज्ञान में नित नये आयाम हासिल किये। इसके लिए यहां की फैकल्टी धान्यवाद की पात्र है। उन्होंने कहा कि मरीजों की देखभाल एवं इलाज में कोई कमी न रहे, अब ऐसा कार्य करना है। सरोजनीनगर के बिजनौर क्षेत्र के माती गांव में माती अस्पताल शुरू होने से ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को बेहतर इलाज मिलेगा। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में पनपने वाली बीमारियों को समय से नियंत्रित भी किया जा सकेगा। इसी प्रकार पेट सी.टी. स्कैन के स्थापित होने से मरीजों को कैंसर, डायबिटिज, टी.वी. तथा मानसिक रोग जैसे बीमारियों की जांच एवं इलाज में आसानी होगी। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि केजीएमयू की कार्य संस्कृति बहुत अच्छी है। यहां के डाक्टर, नर्स, स्टाफ का व्यवहार अच्छा है। अच्छे वातावरण में मरीजों का इलाज किया जा रहा है। कैम्पस की साफ–सफाई बहुत अच्छी है। इसे बनाये रखना है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ग्रीन एनर्जी के प्रयोग को बढ़ाया जा रहा है। नवीकरणीय ऊर्जा के प्रयोग से कार्बन उत्सर्जन में कमी आयेगी और हम नेट जीरो एमिशन के साथ एक बेहतर, स्वच्छ पर्यावरण आने वाली पीढ़ी को देंगे। उन्होंने कहा कि नेडा के सहयोग से यहां पर एक मेगावाट क्षमता का रूफटाप सोलर पावर प्रोजक्ट तीन माह में स्थापित कराया गया। इससे प्रतिवर्ष ६० लाख रूपये की बचत होगी। साथ ही ४५०० से ५००० यूनिट बिजली पैदा होगी और १५०० टन कार्बन उत्सर्जन कम होगा। उन्होंने कहा कि इसके पहले भी यहां पर १.३७ मेगावाट का सोलर प्लान्ट लगाया गया है। सौर ऊर्जा की कीमत थर्मल पावर की आधी होती है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा ही सृष्टि के संचालन का स्रोत है। सब कुछ ऊर्जा से ही चल रहा है। उन्होंने केजीएमयू से निकलने वाले मेडिकल वेस्ट के बेहतर प्रबंधन के लिए भी म डल प्रस्तुत करने को कहा और प्रधाानमंत्री के विजन ''कचरे से कंचन'' बनाने की पहल को आगे बढ़ाये। चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने इस अवसर पर कहा कि माती हास्पिटल को बनाने में कार्यदायी संस्थाओं ने काफी समय लिया है। जो कि प्रदेश सरकार की मंशा के विपरीत है। जनता के लिए उपयोगी प्रोजेक्ट में देरी समाज के हित में नहीं, ऐसे कार्यो में सुधार करें। जनता को बेहतर सुविधायें प्रदान करें, किसी को भी शिकायत का मौका न दें।

पुरानी पेंशन बहाली, राष्ट्रीय वेतन आयोग, ठेकेदारी प्रथा की मांग को लेकर धरने पर बैठेंगे फार्मासिस्ट

लखनऊ। पुरानी पेंशन बहाली, राष्ट्रीय वेतन आयोग, ठेकेदारी प्रथा को बंद करने की मांग को लेकर ३० जुलाई को फर्मासिस्ट धरने पर बैठेंगे। इस धरने में सभी विधाओं और अलग अलग संस्थानों के फार्मेसिस्ट बड़ी संख्या में भागीदारी करेंगे। यह धरना दिल्ली के जंतर मंतर पर होगा। फार्मासिस्ट फेडरेशन के अध्यक्ष सुनील यादव और महामंत्री अशोक कुमार ने सभी विधाओं के फार्मेसिस्ट संघों से भागीदारी करने की अपील की है । उन्होंने कहा कि प्रदेश के चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग में ६००० से अधिक फार्मेसिस्टो को पुरानी पेंशन योजना नहीं मिल पाई है, जबकि इनकी नियुक्ति अगर समय से हुई होती तो यह २००५ के पूर्व ही सेवा में होते । बैच वाइज नियुक्ति के अनुसार अभी तक केवल २००२ तक के फार्मेसिस्टो की नियुक्ति हुई है। उच्च न्यायालय द्वारा भी अपने आदेश में कहा गया है कि नवनियुक्त फार्मेसिस्टो को पूर्व की भांति सभी लाभ दिए जाएं, इसलिए पुरानी पेंशन की मांग को लेकर फार्मेसिस्ट एकजुट है। वही प्रदेश में कई हजार फार्मेसिस्ट राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजना एवं अन्य योजनाओं में संविदा पर कार्य कर रहे हैं जिन्हें उचित वेतन नहीं मिल रहा है, उनके स्थाईकरण की कोई योजना नहीं है और ना ही उन्हें नौकरियों में कोई अतिरिक्त लाभ दिया जा रहा है फार्मासिस्ट बहुत परेशान है । अनेक विभागों में पद रिक्त हैं श्रम विभाग, समाज कल्याण विभाग, कारागार, बैटनरी, होम्योपैथ, आयुर्वेद में कई हजार पद रिक्त बने हुए हैं। उपाध्यक्ष राजेश सिंह ने बताया कि सभी जनपदों के पदाधिकारियों से दूरभाष पर समीक्षा भी की गई है। जनपदों के पदाधिकारियों ने बताया कि ३० के धरने को पूर्णरूपेण सफल बनाया जाएगा। पुरानी पेंशन बहाली वर्तमान समय में कर्मचारियों की सबसे प्रमुख मांग है, वही निजीकरण, संविदा और ठेकेदारी प्रथा कर्मचारियों के भविष्य के लिए अत्यंत घातक है, देश के युवाओं को ठेकेदारी प्रथा मे धकेला जा रहा है जिससे देश का युवा वर्ग अत्यंत निराश है। राष्ट्रीय वेतन आयोग का गठन कर पूरे देश के कर्मचारियों को समान पद और समान वेतन दिया जाना न्यायोचित है, फेडरेशन ने प्रधानमंत्री से मांग की है कि तत्काल तीनों मुद्दों पर निर्णय कर कर्मचारियों को न्याय दिलाएं।

पुलिस लाइन में तैनात दरोगा ने खुद को मारी गोली

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में यूपी पुलिस के एक दरोगा ने खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया है। थाना महानगर के न्यू हैदराबाद स्थित आवास पर एसआई ज्ञान सिंह ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि एसआई ज्ञान सिंह ने आत्महत्या करने से पहले अपने साले को फोन किया था। फोन के दौरान उन्होंने अपने साले से अंतिम संस्कार की तैयारी करने की भी बात कही। बता दें कि रिजर्व पुलिस लाइन में तैनात ५४ वर्षीय ज्ञान सिंह ने आज सुबह करीब ६:३० बजे अपनी सर्विस रिवाल्वर को कनपटी पर रखकर खुद को गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनते ही आसपास के लोग भागते हुए उनके कमरे के पास पहुंचे। लेकिन कमरा अंदर से बंद था।

वहीं सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची महानगर पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़कर उनके शव को बाहर निकाला। इस दौरान पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। वहीं सुसाइड की वजह आंतरिक कलह बताई जा रही है। कमरे से बाहर निकालने के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है। फोरेंसिक टीम ने भी मौके से साक्ष्य जुटा लिए हैं। खबरों के मुताबिक मृतक दरोगा ज्ञान सिंह कन्नौज तिर्वा के सिल्सरा गांव के रहने वाले थे। वहीं वह पुलिस लाइन तैनात थे और और महानगर थाना क्षेत्र के न्यू हैदराबाद कालोनी में रहते थे। आत्महत्या की सूचना के बाद पुलिस लाइन और अधिकारियों में हड़कंप मच गया है।

३४ आशियाने किए जमींदोज

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई के तहत रेलवे ने गुरूवार को अतिक्रमण की गई रेलवे की जमीन को खाली करा दिया। रेलवे प्रशासन ने कैंट क्षेत्र स्थित बंदरिया बाग रेलवे ट्रेक के बगल में अवैध तरीके से बने ३४ मकानों को बुलडोजर से जमींदोज कर दिया। वहीं रेलवे के कई अधिकारियों समेत मौके पर भारी संख्या में आरपीएफ और जीआरपी बल मौजूद रहा। बता दें कि कैंट क्षेत्र के बंदरिया बाग रेलवे क्र सिंग के पास रेलवे पटरी के बगल कई लोगों ने रेलवे की जमीन पर अवैध तरीके से घर बना रखा है। वहीं इस अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिए रेलवे काफी लंबे समय से वहां रह रहे लोगों को नोटिस भेजता रहा। लेकिन वहां रहने वाले लोगों ने न ही निर्माण हटाया और न ही रेलवे की जमीन खाली की। जिसको लेकर रेलवे ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध बने मकानों को बुलडोजर से जमींदोज कर दिया। एडीएम आरती मीणा के निर्देशन में चले इस अभियान में कुल ३४ घरों को बुलडोजर से गिराया गया। जिनमें से १५ पक्के मकान थे और १६ झोपड़पट्टी थी। रेलवे की कार्रवाई के दौरान के वहां रहने वाले लोग बेबसी के साथ अपने टूटते हुए आशियाने को देख रहे थे। रेलवे की इस कार्रवाई के दौरान मौके पर कई रेल अधिकारी मौजूद थे। इसके अलावा सुरक्षा के मद्देनजर भारी संख्या में जीआरपी और आरपीएफ के जवान भी मौजूद रहे।

कुलपति बनने का कभी नहीं मिला मौका

लखनऊ। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति चिकित्सा शिक्षक एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में अगले कुलपति के रूप में किसी दलित–पिछड़े वर्ग के प्रोफेसर को नियुक्त करने की मांग की है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति चिकित्सा शिक्षक एसोसिएशन की तरफ से प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में कहा गया है कि किंग जार्ज मेडिकल कालेज की स्थापना सन् १९०५ में हुयी तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सन् २००२ में इसे उच्चींत करते हुए किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया । अत्यंत कष्ट के साथ सूचित करना है कि भारत की स्वतंत्रता के पहले और स्वतंत्रता के बाद अब तक इस संस्थान के सभी प्रधानाचार्य और कुलपति सामान्य वर्ग से नियुक्त किये गये, किंतु दलित–पिछड़े वर्ग के किसी प्रोफेसर को संस्थान का मुखिया नियुक्त न करके वंचित वर्ग के साथ अन्याय किया गया। विश्वविद्यालय बनने के बाद नियुक्त ग्यारह कुलपतियों में से कोई भी कुलपति दलित–पिछड़े वर्ग से नियुक्त नहीं किया गया, जबकि प्रतिनिधित्व के अनुसार कम से कम पांच कुलपति होने चाहिए थे। केंद्र और राज्य सरकार की सभी चयन समितियों में एवं पदों पर दलितों और पिछड़ों का प्रतिनिधित्व होता है, परन्तु कुलपति की नियुक्ति में उनके समाज का प्रतिनिधित्व न होने के कारण वंचित वर्ग के लोग हाशिए पर रख दिए जाते हैं। पत्र में यह भी अपील की गई है कि किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ के अगले कुलपति के रूप में किसी दलित–पिछड़े वर्ग के प्रोफेसर को नियुक्त के लिए निर्देश जारी किया जाये।

आम महोत्सव में असली नहीं नकली किसानों को मिल गया योगी से पुरस्कार

लखनऊ। अपने ही लोगों के कारनामे से उद्यान विभाग को शर्मसार होना पड़ रहा है। राजधानी लखनऊ में आयोजित

आम महोत्सव में अग्रणी आम किसानों को सीएम योगी आदित्यनाथ की तरफ से पुरस्कार और एक चांदी का आम दिया गया था। इसमें खेल किया गया। बस्ती जिले के उद्यान विभाग के कर्मचारी समेत दो ऐसे लोगों के नाम पुरस्कार की लिस्ट में शामिल कर लिए गए जो इस पुरस्कार के हकदार नहीं थे और आम की पैदावार वाली किस्मों से जुड़े पेड़ भी उनके पास नहीं है। बस्ती के संयुक्त निदेशक जिला औद्यानिक केंद्र ड क्टर अतुल सिंह ने अमृत विचार को बताया कि आम महोत्सव में कैटेगिरी के क्रम में पुरस्कार निर्धारित किये गए थे। इसमें एक विभागीय कर्मचारी समेत दो लोगों के नाम पात्र ना होते हुए भी शामिल किये गए। इसको लेकर विभागीय कर्मचारी के खिलाफ एक्शन लिया गया है। संयुक्त निदेशक ने बताया कि विभागीय कर्मी को चेतावनी दी गई है साथ ही उससे सभी अवार्ड वापस ले लिए गए है। भविष्य में इस प्रकार की पुनरावृत्ति होने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं इसको लेकर उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के निदेशक डॉक्टर आरके तोमर ने बताया कि आम महोत्सव में सभी जिलों से किसान कई बार नहीं आते हैं। उन्होंने बताया कि पुरस्कार पाने वाली लिस्ट में फर्जीवाड़े की जानकारी मिली जरूर है लेकिन इसमें लखनऊ जनपद से किसी का नाम शामिल नहीं है। निदेशक के अनुसार सम्बंधित के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई जरूर की जाएगी। बताते चलें कि लखनऊ स्थित अवध शिल्पग्राम में इस साल आम महोत्सव आम की सैकड़ों प्रजातियों की प्रदर्शनी लगाई गई थी। आम महोत्सव के तहत आम का अलग अलग रंग, रूप और स्वाद वाली करीब ७२५ से भी अधिक प्रजातियों को उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश और उत्तराखंड के किसानों ने पेश किया था।

पसंद के मेडिकल कॉलेज में प्रवेश न लेने पर जब्त होगी धरोहर राशि

लखनऊ। एमबीबीएस व बीडीएस की काउंसिलिंग के दौरान अभ्यर्थी को च्वाईस के अनुसार पाठ्यक्रम और कॉलेज आवंटित होने की दशा में अभ्यर्थी को प्रवेश लेना अनिवार्य होगा, अन्यथा धरोहर राशि जब्त होगी। साथ ही दूसरी काउंसिलिंग में हिस्सा लेने के लिए पुनः धरोहर राशि जमा करन होगी। इसके अलावा पंजीकरण के दौरान प्रपत्रों के सत्यापन में आ रही दिक्कतों का दूर करने के लिए विकल्प उपलब्ध करा दिया गया है। उक्त दिशा– निर्देश संबन्धी चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण उप्र के महानिदेशक द्वारा जारी किए गए हैं। मेडिकल व डेंटल कॉलेजों में प्रवेश के लिए शुरु हो चुकी यूजी नीट २०२३ की प्रथम चरण काउंसिलिंग की तकनीकि दिक्कत के मद्देनजर महानिदेशक द्वारा दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं। बुधवार को जारी निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि काउंसिलिंग को लेकर प्रदेश में केवल १६ नोडल सेंटर बनाए गए हैं, काउंसिलिंग में शुल्क जमा करने के लिए सभी प्रकार के नेट बैंकिग व बैंक कार्ड मान्य हैं। पंजीकरण शुल्क की वापसी नहीं है, मगर सरकारी मेडिकल व डेंटल कॉलेजों के लिए ३० हजार, प्राइवेट के लिए दो लाख और सरकारी व प्राइवेट, दोनो प्रकार के क लेजों में प्रतिभाग के लिए दो लाख रुपए बतौर धरोहर राशि जमा करनी होगी। इसके अलावा प्राइवेट डेंटल क लेज के लिए एक लाख जमा करने होंगे। धरोहर राशि, शिक्षण शुल्क में समायोजित नहीं किया जाएगा। धरोहर राशि, प्रवेश लेने के बाद आवंटित क लेज के माध्यम से उसी बैंक खाते में वापस होगी जिससे जमा की गई होगी। इसके अलावा अभ्यर्थियों को अपना मोबाइल नंबर व ई–मेल आईडी सही भरी होनी चाहिए, बिना च्वाईस भरे, काउंसिलिंग प्रक्रिया प्रभावी नही होगी, अभ्यर्थी स्वतरू बाहर हो जाएगा। इसके अलावा काउंसिलिंग में आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को अपने पिछड़ा वर्ग व ईडब्लूएस प्रमाण पत्र एक अप्रैल के बाद में बने ही मान्य होंगे।

अवैध धर्मपरिवर्तन में संलिप्तता को लेकर एक ईसाई पुजारी गिरफ्तार

गाजियाबाद। जिले के मोदीनगर थानाक्षेत्र में पुलिस ने दलित समुदाय के लोगों के अवैध धर्म परिवर्तन में कथित संलिप्तता के आरोप में एक ईसाई पुजारी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान हापुड जिले के पीरनगर सुदाना गांव के निवासी महिंदर कुमार के रूप में हुई है। इस मामले में आशीष नामक व्यक्ति की शिकायत पर गिरफ्तारी की गई। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया गया था कि कुछ लोग पैसे के लिए गरीब लोगों पर ईसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव डाल रहे हैं। इस मामले में मंहिदर कुमार और कुछ अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ २३ जुलाई को मोदीनगर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई

थी। अपर पुलिस आयुक्त (एसीपी–मोदीनगर) ज्ञान प्रकाश ने बताया कि कुमार अपनी पत्नी के साथ बेथलेहम ग स्पेल नाम से एक ट्रस्ट चला रहे थे और उन्हें विदेशों से धन मिल रहा था, जिसका इस्तेमाल दलित वर्ग के गरीब लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए लुभाने के लिए किया जाता था। उन्होंने बताया कि कुमार हर रविवार को अपने एजेंटों द्वारा बताये गये लोगों से मिलने के लिए मोदीनगर के गांवों में जाते थे। अधिकारी ने कहा, इस मामले में कुमार के खिलाफ भादस और धर्मांतरण विरोधी कानून की संबंधित धाराओं के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले की जांच चल रही है।

चीन की हरकत पर भड़का भारत, एयरपोर्ट से ही अपने खिलाड़ियों को बुला लिया वापस

नई दिल्ली। भारत सरकार ने विश्व विश्वविद्यालय खेलों में भाग लेने के लिए चीन रवाना होने वाली अपनी वुशु टीम एयरपोर्ट से ही वापस बुला लिया। यह निर्णय अरुणाचल प्रदेश के तीन एथलीटों को चीनी अधिकारियों द्वारा स्टेपल वीजा दिए जाने के बाद आया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि भारत पहले ही इस मामले पर चीनी पक्ष के समक्ष अपना कड़ा विरोध दर्ज करा चुका है। उन्होंने कहा कि सरकार के संज्ञान में आया है कि कुछ भारतीय नागरिकों को स्टेपल्ड वीजा जारी किया गया था, जिन्हें चीन में एक अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन में देश का प्रतिनिधित्व करना था। बागची ने कहा कि यह अस्वीकार्य है और हमने चीनी पक्ष के समक्ष इस मामले पर अपनी सतत स्थिति दोहराते हुए अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया है और भारत इस तरह की कार्रवाइयों पर उचित प्रतिक्रिया देने का अधिकार सुरक्षित रखता है। यह मुद्दा तब उठा जब अरुणाचल प्रदेश से संबंधित तीन एथलीटो, को चीनी अधिकारियों द्वारा स्टेपल वीजा दिया गया। स्टेपल्ड वीजा जारी करना भारत–चीन संबंधों में विवाद का विषय रहा है। चीन, जिसने बार–बार अरुणाचल प्रदेश

पर क्षेत्रीय दावे किए हैं। उसने पूर्वोत्तर राज्य के निवासियों को मुद्रांकित वीजा के बजाय स्टेपल वीजा जारी करने की अपनी नीति बरकरार रखी है। अधिकांश एथलीटों को कल रात रवाना होने का कार्यक्रम था, अरुणाचल के तीन खिलाड़ियों को उनके वीजा में देरी के कारण आज रात रवाना होना था। हालाँकि, चीनी अधिकारियों की प्रतिक्रिया से नाराज होकर, भारत सरकार ने वुशू टीम के किसी भी सदस्य को खेलों के लिए चीन की यात्रा करने से रोकने का फैसला किया।

संवाद से भाजपा आम जनमानस के बीच लोकप्रिय हैः कमलेश मिश्र

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को ३० जुलाई अपराह्मन ११ बजे अवध क्षेत्र के सभी बूथों पर कार्यकर्ता एक साथ सुनेंगे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्र ने गुरुवार को क्षेत्रीय कार्यालय निरालानगर में भारतीय जनता पार्टी आज आमजन के बीच में लोकप्रिय है और निरन्तर अपने कार्यक्रमों और अभियानों के माध्यम से आमजन के बीच बनी रहती है। इसीलिए जनता का भरोसा और विश्वास भाजपा के साथ बना हुआ है और यह सम्बन्ध निरन्तर मजबूत होता जा रहा है। अवध क्षेत्र के सह मीडिया प्रभारी आकाश मिश्र मोंटी ने बताया की सभी जनपदों में क्षेत्रीय पदाधिकारी कल जिला पदाधि

पर क्षेत्र के पदाधिकारीयों के साथ रणनीतिक बैठक की और सभी क्षेत्रीय पदाधिकारीयों को एक–एक जनपद आवंटित कर बैठक की तिथि, पदाधिकारीयों की जिम्मेदारी व सोशल मीडिया की भगीदारी करने की योजना का खाका सौंपा और आवंटित जिले में २८ से लेकर ३० जुलाई तक रहने का निर्देश दिये। इसके साथ–साथ जनप्रतिनिधियों की भागीदारी, पदाधिकारियों को दायित्व का आदेश दिये। क्षेत्रीय अध्यक्ष ने कहा की प्रवास सम्पर्क व संवाद से ही भारतीय जनता पार्टी आज आमजन के बीच में लोकप्रिय है और निरन्तर अपने कार्यक्रमों और अभियानों के माध्यम से आमजन के बीच बनी रहती कारीयों, मन की बात की मॉनिटरिंग टोली के साथ बैठकर शक्तिकेन्द्रशः बूथ तक योजना रचना को तय कर लेंगे। बैठक में क्षेत्रीय महामंत्री विजय प्रताप सिंह, त्रयम्बक तिवारी, नीरज वर्मा, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजीव मिश्रा, राहुल राज रस्तोगी, जितेन्द्र सिंह, चन्द्रा रावत, क्षेत्रीय मंत्री कमलेश श्रीवास्तव, विनोद कुमार, विकास सिंह, राजकिशोर मौर्य, दिलीप यादव, क्षेत्रीय कार्यालय मंत्री डा विमल सिंह, क्षेत्रीय सह मीडिया प्रभारी दीपक तिवारी, संयोजक सह संयोजक सोशल मीडिया आयुश बाजपेयी, हिमालय वर्मा, मनोज त्रिवेदी, आईटी संयोजक मानस मित्रा, कार्यालय प्रभारी अखिलेश त्रिपाठी उपस्थित रहें।

अद्भुत गाँव: विधवाओं का गाँव

अमरेन्द्र सहाय अमर

भारत एक अद्भुत देश है. यहाँ की संस्कृति, पहनावा, खानपान अपने अपने क्षेत्र के हिसाब से अद्भुत है. भारत को गावों का देश कहा जाता है. यहाँ की अधिकतर आबादी गावों में रहती है. आज हम आपको एक ऐसे गाँव के बारे में बताने जा रहे है जिसे जानकार आपको आश्चर्य होगा . जी हाँ एक गाँव विधवाओं का गाँव. इस गाँव को विधवाओं का गाँव कहा जाता है, क्योंकि यहाँ अधिसंख्य संख्या में विधवाएं ही रहती हैं क्योंकि उनके पतियोंकी मृत्यु हो चुकी है या मृत्यु हो जाती है. स्थिति ऐसी है कि पतियों की मृत्यु में के अपने परिवार के आपलं पोषण के लिए विधवा महिलाओं को स्वयं मेहनत मजदूरी करके अपने परिवार और बल बच्चों का पालन पोषण करना पड़ता है.इस गाँव की ज्यादातर महिलाएं दिन के दस दस घंटे कठिन परिश्रम करके बलुआपत्थरोंको तोड़ने और उन्हें तराशने का काम करती हैं . मृत्यु क्यों हो जाती है इस पर हम आगे चर्चा करेंगे. बुधपुरा गाँव की विधवा महिलाओं की जटिल और संघर्ष भरी जिन्दगीके बीचा यह प्रश्न उठता है कि इस गाँव के पुरुषों की असमय मृत्यु क्यों होजाती है . असमय मृत्यु के पीछे कई रिपोर्ट्स में यह बताया गया है कि यहाँ के पुरुषो के मृत्यु के पीछे इस गाँव के लोगों का खदान में काम करना है. खदानों में काम करने के कारण यहाँ के लोगों को सिलिकोसिस नामक घातक बीमारी हो जाती है. समय पर सही इलाज न मिलने के कारण यहाँ के लोगों के असमय मृत्यु हो जाती है. गाँव बुधपुरा में बलुआ पत्थरों को तराशने का काम बहुत बड़े पैमाने पर होता है. इस खदानों में स्थानीय रूप से गाँव के श्रमिक ही काम करते हैं. काम के दौरान यानि पत्थरों को तराशते समय पत्थरों से निकली महीन सिलिका डस्टपुरुषों के फेफड़ों में चली जाती है. डाक्टरों के पास पंहुचने वाले अधिकांश श्रमिकों को सांस लेने में यानि श्वसन तंत्र से जुड़ी बीमारियां होती है. आप स्वयं सोचिये जब सांस लेने की दिक्कत होगी तो इन्सान कितने दिन तक जी सकता है. इस बीमारी के गंभीर होने के बाद इलाज का कोई फायदा मिलता है. अगर सही वक्त पर इस बीमारी का पता चल जायऔर तो इसका इलाज हो जाता है और कामगारों की जान बच जाती है. परन्तु अधिकतर मामलों इस बीमारी का पता मजदूरों को बहुत देर से पता चलता है और बीमारी लाइलाज हो जाती है. चौंकानेवाली बात यह है कि इस गाँव की महिलाएं अपने पतियों के मृत्यु होने का कारन जानते हुए भी अपने बच्चो के पालन पोषण के लिए उन्ही खदानों में काम करने को विवश होती हैं. अपने बच्चो को भूख से मरने को बचाने के लिए महिलाएं पत्थर तराशने के जानलेवा काम को करने को विवश हैं. यही नही कभी कभी बच्चे भी अपने परिवार का हाथ बताने के लिए इस काम में लग जाते हैं. बच्चों को भूख के कारण मरने से बचाने के लिए अब विधवा महिलाएं भी बलुआ पत्थचर तराशने के जानलेवा काम को करने के लिए विवश हैं. यही नहीं, यहां के बच्चेन भी परिवार का हाथ बंटाने के लिए इसी काम में लग जाते हैं. डॉक्टरों के पास पहुंचने वाले अधिकांश मरीजों को सांस लेने में दिक्कंत या श्वरसन तंत्र से जुड़ी बीमारियां ही ज्यादा होती हैं. हालात इतने खराब हैं कि मरीजों में ५० फीसदी को जांच करने पर सिलिकोसिस बीमारी का पता चलता है. अमूमन मरीज तभी डॉक्टचर्स के पास पहुंचते हैं, जब हालात बेहद खराब हो चुके होते हैं. बीमारी के गंभीर स्टेज पर पहुंचने के बाद इलाज शुरू होने के कारण मरीजों को ज्यारदा फायदा नहीं मिल पाता है.इस गाँव में बहुत महिलाएं विधवा हो चुकी हैं, इसलिए इस गाँव को विधवाओं का गाँव कहा जाता है।

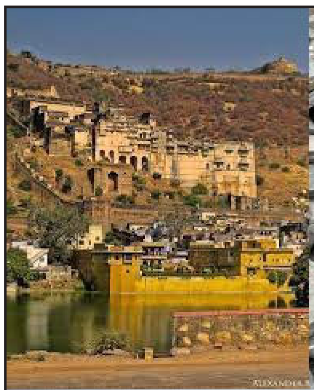

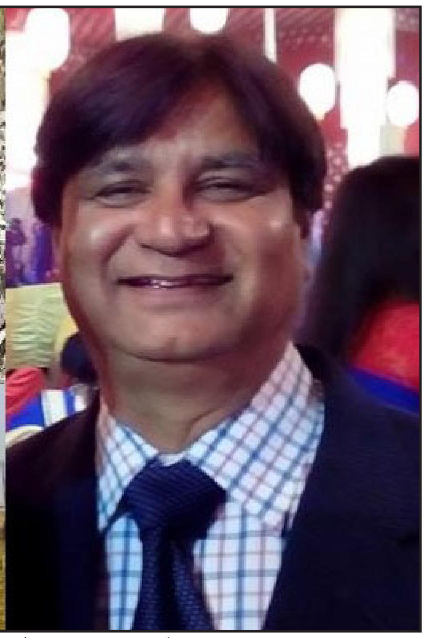

विधानमंडल का मानसून सत्र सात अगस्त से होगा शुरू

लखनऊ। यूपी में विधानमंडल का मानसून सत्र सात अगस्त से शुरू होगा। जो कि ११ अगस्त तक चलेगा। बताया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विधानमंडल का मानसून सत्र सात अगस्त को आहूत किया है। जो करीब पांच दिनों तक चलेगा। मानसून सत्र के दौरान प्रदेश सरकार विधेयक और अध्यादेश पेश कर सकती है। वहीं सरकार अपनी उपलब्धियां भी गिनायेगी। वहीं विपक्ष की तरफ से भी सरकार को घेरने के आसार हैं। बताया जा रहा है कि प्रदेश सरकार इस बार के मानसून सत्र में विधानसभा की नई नियमावली भी पेश कर सकती है।

ओला उबर रैपीडो इन ड्राइवर कंपनियों के ऊपर होगी कार्यवाही

लखनऊ। आटो चालकों की मांगों को लेकर संयुक्त संघर्ष मोर्चा लखनऊ के तत्वावधान में कैब ओनर्स चालक वेलफेयर समिति

के अध्यक्ष आर के पाण्डेय के नेतृत्व में बुधवार को अपर परिवहन आयुक्त प्रवर्तन वी के सोनकिया, एसटीए सेक्रेटरी, एआरटीओ प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया। चालकों की मांग है कि लखनऊ शहर में चल रही अवैध पेट्रोल निजी बाइक टैक्सी को बंद किया जाय। अपर परिवहन आयुक्त ने चालकों को आश्वासन देते हुये कहा कि ओला उबर रैपीडो, इन ड्राइवर कंपनियों के ऊपर कार्यवाही निश्चित रूप से होगी यह भी कहा प्रवर्तन विभाग के अधिकारियों के साथ आप सभी एक बैठक २ से ३ दिन के अंदर कराई जाएगी। ज्ञापन देने के कार्यक्रम में कौशल सिंह, विपिन सिंह, मुकेश सिंह, जावेद खान, रिजवान आलम समेत पचासों चालक उपस्थित रहे।

कर्मचारियों में आक्रोश महाप्रबंधक के घर पर धरना देंगे जलकल विभाग के कर्मचारी

लखनऊ। राजधानी के जलकल विभाग में काम करने वाले कर्मचारी २ अगस्त को महाप्रबंधक के बंगले पर धरना देने की बात कर रहे हैं। कर्मचारियों के आक्रोश की वजह उनकी ६ सूत्रीय मांगों पर महीनों से सुनवाई न होना है। कर्मचारियों का आरोप है कि मई महीने में विभाग के महाप्रबंधक के सामने ६ सूत्रीय मांगे रखी गई थी, लेकिन समस्याओं का अभी तक निराकरण नहीं हो पाया है। इतना ही नहीं आरोप तो यहां तक हैं कि करीब तीन महीने से महाप्रबंधक कार्यालय में नहीं बैठ रहे हैं। इससे कर्मचारी उनसे मिलकर अपनी समस्या भी नहीं कह पाते हैं। दरअसल, जलकल विभाग के कर्मचारियों ने मई महीने में महाप्रबंधक को छुट्टीयों के दौरान काम करने वाले कर्मचारियों को ओवर टाइम का भुगतान करने, राजस्व वसूली के कार्य में लगे कर्मचारियों के ११ दिन का मानदेय देने, आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को अकुशल, अर्धकुशल, कुशल, अतिकुशल के हिसाब से वेतन देने समेत ६ सूत्रीय मांगों का मांग पत्र सौंपा था, लेकिन अभी तक मांग पूरी ना होने से कर्मचारी आक्रोशित हैं। जलकल, नगर निगम नियमित एवं आउटसोर्सिंग कर्मचारी संघ के अध्यक्ष नितिन त्रिवेदी ने बताया कि महाप्रबंधक तीन महीने से अ फिस में नहीं बैठते हैं, जिससे कर्मचारी

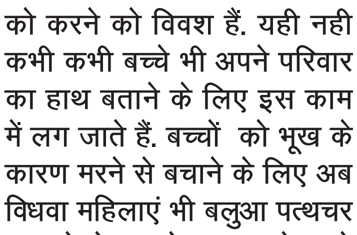

अपनी समस्या नहीं बता पाते। वह घर से ही दफ्तर चला रहे हैं। उन्होंने घर पर ही कैंप कार्यालय बना रखा है। उन्होंने बताया कि जलकल, नगर निगम नियमित एवं आउटसोर्सिंग कर्मचारी संघ–लखनऊ द्वारा अनेकों बार लिखित एवं मौखिक तौर पर विभागाध्यक्ष को अवगत कराया गया है परंतु खेद है कि महाप्रबंधक द्वारा सिर्फ झूठे आश्वासन ही दिए गए। जलकल विभाग लखनऊ के विभागाध्यक्ष के पास अपने विभाग के कर्मचारियों के लिए समय नहीं है। संगठन से वार्ता के दौरान उनके द्वारा हमेशा अपनी व्यस्तता की दुहाई दी जाती है। महाप्रबंधक इतना ज्यादा व्यस्त हैं कि उनके पास जलकल विभाग, मुख्यालय में बैठने का भी समय नहीं है। ऐसी स्थिति को देखते हुए कर्मचारियों में रोष व्याप्त है जिसके कारण यदि महाप्रबंधक द्वारा १ सप्ताह में जलकल, नगर निगम नियमित एवं आउटसोर्सिंग कर्मचारी संघ–लखनऊ द्वारा २ माह पूर्व दिए गए मांग पत्र पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो बाध्य होकर संगठन ट्रेड यूनियन एक्ट के तहत २ अगस्त को महाप्रबंधक के कथित नए कार्यालय ऐशबाग स्थिति जलकल विभाग, बंगला नंबर २, वाटर वर्क्स रोड के समक्ष सांकेतिक धरना करने को बाध्य होगा। जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी जलकल प्रशासन एवं महाप्रबंधक की होगी।

लाल डायरी के पन्ने खुले तो अच्छे-अच्छे निपट जाएंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजस्थान के दौरे पर थे। राजस्थान चुनाव से पहले प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर चर्चाओं का दौर लगातार जारी रहा है। इन सबके बीच राजस्थान के सीकर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का मतलब लूट की दुकान और झूठ का बाजार है। इसके साथ ही उन्होंने लाल डायरी का जिक्र करते हुए भी कांग्रेस पर निशाना साधा। पीएम ने कहा कि आज का राजस्थान में लाल डायरी के चर्चे हैं। लाल डायरी के पन्ने खुले तो अच्छे-अच्छे लिपट जाएंगे। उन्होंने कहा कि लाल डायरी में कांग्रेस के काले कारनामे छिपे हुए हैं। उन्होंने गहलोत सरकार पर पेपर लीक को लेकर भी निशाना साधा। मोदी ने कहा कि आप इतनी बड़ी संख्या में मुझे आशीर्वाद देने आए हैं। ये जन सैलाब बता रहा है कि आने वाले चुनाव में ऊँट किस करवट बैठेगा। अब राजस्थान की करवट भी बदलेगी और राजस्थान की किस्मत भी बदलेगी। उन्होंने कहा कि आज राजस्थान में एक ही गूंज है, एक ही नारा है... जीतेगा कमल, खिलेगा कमल। उन्होंने कहा कि राजस्थान में अच्छी सड़कों के लिए, अच्छे हाईवे के लिए, राज्य के विकास के लिए भाजपा सरकार लगातार पैसे भेज रही है। मोदी ने कहा कि जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी तब १० वर्षों में राजस्थान में टैक्स की हिस्सेदारी के रूप में एक लाख करोड़ रुपये ही दिए गए थे, बीते ६ वर्षों में भाजपा सरकार ने टैक्स की हिस्सेदारी के रूप में चार लाख करोड़ रुपये से अधिक पहुंचाए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने राजस्थान में सरकार चलाने के नाम पर सिर्फ लूट की दुकान

चलाई है और झूठ का बाजार चलाया है। झूठ की दुकान का सबसे ताजा प्रोजेक्ट है, राजस्थान की 'लाल डायरी'। उन्होंने कहा कि कहते हैं इस 'लाल डायरी' में कांग्रेस सरकार के काले कारनामे दर्ज हैं। लोग कह रहे हैं कि 'लाल डायरी' के पन्ने खुले तो अच्छे-अच्छे निपट जाएंगे। मोदी ने कहा कि कांग्रेस के बड़े से बड़े नेताओं की इस ञलाल डायरीश का नाम सुनते ही बोलती बंद हो रही है। ये लोग भले ही मुंह पर ताला लगा लें लेकिन ये 'लाल डायरी' इस चुनाव में कांग्रेस का डिब्बा गोल करने जा रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ हो रहा है। पेपर लीक उद्योग चल रहा है। राजस्थान के युवा काबिल हैं, लेकिन यहां की सरकार उनके भविष्य को बर्बाद कर रही है। यहां सत्ताधारी दल के लोगों पर ही पेपर लीक माफिया होने का आरोप लग रहा है। युवाओं को पेपर लीक माफिया से बचाने के लिए कांग्रेस को हटाना ही होगा।मोदी ने कहा कि देश के करोड़ों गरीबों को पक्का घर बनाकर लखपति बनाने की गारंटी किसने दी? —भाजपा सरकार ने। देश के करोड़ों गरीबों को मुफ्त राशन की गारंटी किसने दी? —भाजपा सरकार ने। कोरोना काल में करोड़ों गरीबों को मुफ्त वैक्सीन की गारंटी किसने दी? —भाजपा सरकार ने। उन्होंने कहा कि देश के करोड़ों गरीबों को अस्पताल में ५ लाख तक के मुफ्त इलाज की गारंटी किसने दी?—भाजपा सरकार ने। जनऔषधि केंद्र में गरीबों को सस्ती दवाइयों की गारंटी किसने दी? —भाजपा सरकार ने। गरीब का बच्चा भी डॉक्टर-इंजीनियर बन सके, अंग्रेजी ना आने की वजह से पीछे ना रह जाए, इसके लिए मातृभाषा में पढ़ाई की गारंटी किसने दी? —भाजपा सरकार ने।

राहुल गांधी का आरोप- सिर्फ सत्ता चाहती है भाजपा, इसके लिए देश भी जला देगी

नई दिल्ली। मणिपुर को लेकर देश की राजनीति जबरदस्त तरीके से गर्म है। सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने है। सड़क से लेकर संसद तक लगातार वार पलटवार की राजनीति चल रही है। इन सबके बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मणिपुर मामले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। कांग्रेस ने अपने ट्विटर हैंडल के जरिए राहुल गांधी का वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में राहुल गांधी केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते दिखाई दे रहे हैं। राहुल गांधी ने मणिपुर मामले को लेकर सरकार से कई सवाल पूछे हैं। अपने वीडियो में राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी मणिपुर के लिए क्या कर रहे हैं? वे मणिपुर के बारे में कुछ बोल क्यों नहीं रहे हैं? उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ऐसा इसलिए है क्योंकि नरेंद्र मोदी जी को मणिपुर से कोई लेना देना नहीं है। वो जानते हैं कि उनकी ही विचारधारा ने मणिपुर को जलाया है। राहुल ने आरोप लगाया कि BJP&RSS सिर्फ सत्ता चाहती है और सत्ता पाने के लिए ये कुछ भी कर सकती है। उन्होंने कहा कि सत्ता के लिए ये मणिपुर को जला देंगे, सारे देश को जला देंगे।

इनको देश के दुख और दर्द से कोई फर्क नहीं पड़ता। कांग्रेस नेता ने कहा कि ै-ठश्रच और कांग्रेस के बीच विचारधारा की लड़ाई चल रही है। उन्होंने कहा कि जहां कांग्रेस की विचारधारा- संविधान की रक्षा, देश को जोड़ने और सामाजिक असमानता के खिलाफ लड़ने की है। वहीं ै-ठश्रच चाहती है कि कुछ चुनिंदा लोग यां चलाएं और देश का सारा धन उन्हीं के हाथ में हो। उन्होंने कहा कि आपके दिल में देशप्रेम है। जब देश को चोट लगती है, देश के किसी नागरिक को चोट लगती है तो आपके दिल को भी चोट लगती है। आप उदास हो जाते हैं। मगर BJP&RSS के लोगों को कोई दुःख नहीं, कोई दर्द नहीं हो रहा, क्योंकि ये हिंदुस्तान को बांटने का काम कर रहे हैं। आपको बता दें कि संसद के दोनों सदनों में मणिपुर को लेकर हंगामा जारी है। लगातार विपक्षी दल इस पर चर्चा की मांग कर रहे हैं। सरकार का दावा है कि वह चर्चा को तैयार है। हालांकि, विपक्षी दल यह भी कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी को इस पर संसद में बयान देना चाहिए। मणिपुर मामले को लेकर ही विपक्षी दलों की ओर से अविश्वास प्रस्ताव भी लाया गया है। लगातार संसद में मोदी सरकार के खिलाफ है विपक्षी सांसद प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी कड़ी में आज सभी सांसद काले कपड़े पहन कर संसद भवन पहुंचे थे।

दो बच्चियों के अपहरण और उन्हें बेचने के आरोप में महिला समेत दो लोगों को सजा

गौतमबुद्ध नगर। जिले की एक स्थानीय अदालत ने बृहस्पतिवार को दो नाबालिग बच्चियों के अपहरण और उन्हें बेचकर देह व्यापार में धकेलने के मामले में दोषी ठहराते हुए एक पुरुष और एक महिला को १४-१४ साल कैद की सजा सुनाई। विशेष लोक अभियोजक अश्विनी कुमार मिश्रा ने बताया, विशेष पॉक्सो न्यायाधीश मधु डोगरा की अदालत ने दो नाबालिग लड़कियों के अपहरण और मानव तस्करी के मामले में लक्ष्मी देवी (५३) और सोनू (३०) को दोषी ठहराया और प्रत्येक को १४ साल कैद की सजा सुनाई। अदालत ने लक्ष्मी पर ८०,००० रुपये और सोनू पर ६०,००० रुपये का जुर्माना भी लगाया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, मार्च २०१८ में १० और १२ साल की दो नाबालिग लड़कियों के अपने घर से लापता होने के बाद भदोही पुलिस थाने में अपहरण और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (प स्को) अधिनियम की संबंधित धारा के तहत मामला दर्ज किया गया था।घटना के संबंध में भदोही कोतवाली थाना क्षेत्र में मामला दर्ज कराया गया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार मामला भदोही कोतवाली के मोढ़ चौकी क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में २२ मार्च २०१८ की दोपहर का है। १० साल और १२ साल की दो बच्चियां कपड़ा खरीदने बाजार गई थी और देर शाम तक नहीं लौटने पर खोजबीन के बाद दोनों के अभिभावकों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस मामले में पुलिस ने भदोही में थाना दुर्गागंज के सराय होला निवासी सोनू (३०), नयी दिल्ली निवासी लक्ष्मी देवी (५३) और गौतमबुद्ध नगर में सूरजपुर के मकोड़ा निवासी संत लाल (७०) और उसके बेटे ओमिंदर गुर्जर (३५) के खिलाफ मामला दर्ज कर आरोपपत्र अदालत में दाखिल किया था। इसमें एक गांव की दो अलग-अलग परिवार की दोनों बच्चियों की बरामदगी सोनू के यहां पकड़े जाने के बाद हुई। सोनू ने खुलासा किया कि लक्ष्मी देवी ने दोनों को बेच दिया है जिसके बाद पुलिस ने दोनों को गौतमबुद्ध नगर से बरामद कर लिया।

बंद मकानों का ताला तोड़ नकदी और ज्वैलरी पर हाथ साफ

लखनऊ। राजधानी में आए-दिन चोरी की वारदात बढ़ रही हैं। चोर गली-मोहल्लों में बंद-मकान और दुकानों की रेकी कर वारदात को अंजाम दे रहे हैं। इसी कड़ी में चोरों ने दो घरों से चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। पीड़ितों की लिखित शिकायत पर गोमतीनगर और पीजीआई पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। गोमतीनगर थानाक्षेत्र के विनयखंड-एक निवासी केशव दत्त पाण्डेय सपरिवार रहते हैं। उन्होंने बताया कि बीती रात ०१ से ०२ बजे की बीच चोरों ने उनके घर में वारदात को अन्जाम दिया। पीड़ित ने बताया कि घर में घुसे चोरों ने दो लैपट प, ढ़ाई लाख रुपये की ज्वैलरी और पांच हजार की नकदी साफ कर दी। अगली सुबह उन्हें घर में हुई चोरी की जानकारी हुई। प्रभारी निरीक्षक दीपक पांडे ने बताया कि मकान मालिक केशव दत्त पांडे की लिखित शिकायत पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। वहीं पीजीआई में वृन्दावन क लोनी निवासी पूनम सिंह ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़िता ने बताया कि वह रायबरेली रोड पर एक मकान का निर्माण करा रही है। २४ जुलाई की दोपहर वह मकान के निर्माण कार्य का निरीक्षण करने गयी थी। वापस लौटने पर उन्हें घर में हुई चोरी की जानकारी हुई। उन्होंने बताया कि चोरों ने बंद मकान का ताला तोड़ सोने-चांदी के आभूषण और अस्सी हजार की नकदी चोरी कर ली। पीजीआई निरीक्षक ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

कर्ज नहीं चुकाने पर व्यक्ति की पत्नी से किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में कथित तौर पर कर्ज नहीं चुकाने पर एक साहूकार ने कर्ज लेने वाले व्यक्ति की पत्नी के साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। हडपसर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि घटना इस साल फरवरी की है और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता के पति ने साहूकार से रुपये उधार लिए थे लेकिन वह उन्हें चुका नहीं पाया। अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने कथित तौर पर पीड़िता के पति को धमकाया और फिर पति की मौजूदगी में उसके साथ दुष्कर्म किया। उन्होंने बताया कि आरोपी ने इस कृत्य को मोबाइल में रिक र्ड कर लिया और उसे सोशल मीडिया पर सार्वजनिक कर दिया। अधिकारी ने कहा, ''हमने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और आगे जांच की जा रही है।'' पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

कारगिल के शहीदों को सीएम योगी ने किया नमन

लखनऊ। देश में आज कारगिल विजय दिवस की २४ वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करके नमन किया। सीएम योगी सुबह कारगिल शहीद स्मृति वाटिका में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे और शहीदों को श्रद्धांजलि देने के बाद उनके परिवारों से मुलाकात भी की। इस अवसर पर सीएम योगी ने कहा कि एक विषम परिस्थितियों में कारगिल युद्ध लड़ा गया था। इस दौरान हमारे जांबाजों ने अपनी जांबाजी से पाकिस्तानियों को भारत की धरती से खदेड़ दिया था। वहीं इस दौरान डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम बृजेश पाठक, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, नगर विकास मंत्री ए के शर्मा और लखनऊ मेयर सुषमा खर्कवाल ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि दी। सीएम योगी ने अपने सम्बोधन में कहा कि देश के अंदर कारगिल युद्ध के दौरान और पूर्व के युद्ध और इसके बाद भी रक्षा करते हुए शहीद होने वाले परिवार का अभिनंदन करता हूं। एक विषम परिस्थितियों में कारगिल युद्ध लड़ा

गया था। उस समय वैश्विक स्तर पर भारतीय सेना का लोहा सभी ने माना था। वहीं कुछ सवाल भी उठाए गए थे। लेकिन आज प्रत्येक भारतीय की सुरक्षा की गारंटी है। पीएम मोदी के नेतृत्व में अगर नागरिक अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करेगा तो २०४७ तक भारत दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बन जायेगा। सीएम योगी ने आगे कहा कि आज देश में पीएम मोदी की अगुवाई में नए भारत का निर्माण हो रहा है। आज देश में किसी आतंक और घुसपैठियों के लिए जगह नहीं है।आजादी के बाद जो वंचित था उसे आज केंद्र और राज्य सरकार दोनों विकास की परिपाटी से जोड़ रही है। आज कोई भी जवान शहीद हो जाता है तो राज्य सरकार उस परिवार को ५० लाख रुपये और परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी देती है। साथ ही एक जगह को उस शहीद के नाम से रखा जाता है। बता दें कि इस अवसर पर शहीदों के परिवारवालों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सम्मानित भी किया। कारगिल युद्ध में हुए शहीद परम वीर चक्र विजेता कैप्टन मनोज पांडेय के पिता गोपीचंद पांडेय, शहीद रायफल मैन सुनील जंग की मां बीना महत, शहीद लांस नायक केवल नंद द्विवेदी की पत्नी कमला द्विवेदी और शहीद मेजर रितेश शर्मा के पिता सत्य प्रकाश शर्मा को सम्मानित किया गया।

तमंचे से खुद को गोली मारकर की आत्महत्या

लखनऊ। आर्थिक तंगी से परेशान २० वर्षीय बाराबंकी निवासी युवक ने बुधवार को लखनऊ के गाजीपुर थाना क्षेत्र में अवैध तमंचे को कनपट्टी पर सटाकर शूट कर लिया। युवक की मौके पर ही मौत हो गई। युवक गाजीपुर के डी ब्ल क स्थित अपने दोस्त के घर घूमने के लिए आया हुआ था। मृतक की पहचान बाराबंकी के लखेड़ाबाग निवासी उदय प्रताप सिंह (२०) के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को म र्चरी में रखवाकर परिजनों को सूचित कर दिया है। परिजनों के पहुंचने के बाद संभवतरू गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। गाजीपुर प्रभारी निरीक्षक सुनील सिंह ने बताया कि बाराबंकी निवासी उदय प्रताप बुधवार को ही अपने गाजीपुर के डी ब्ल क निवासी दोस्त मानस के घर घूमने आया था। देर शाम दोनों ने शराब पीने का प्लान बनाया। घर में ही दोनों शराब पी रहे थे। मानस के अनुसार उदय काफी परेशान था और उसने काफी अधिक शराब पी ली थी। इसी बीच उदय ने मानस को कोल्ड ड्रिंक लाने के कहा, मानस ने मना किया तो उदय ने दोस्ती का वास्ता देकर उसे भेज दिया। मानस के जाते ही उदय ने रात करीब ८रू४५ बजे अवैध तमंचे से खुद के भेजे पर गोली मार ली। गोली की आवाज सुनकर मानस कमरे में पहुंचा तो उदय का खून से लथपथ शव देख होश उड़ गये सुनील सिंह ने बताया कि दोस्त मानस के अनुसार मूलरूप से सीतापुर का निवासी उदय बाराबंकी में परिवार के साथ रहता था। उसके पिता की करीब डेढ़ वर्ष पूर्व मौत हो गई थी। पिता ही घर के एक मात्र आर्थिक श्रोत थे। पिता की मौत के बाद से घर की मानी हालत काफी खराब हो गई थी। मानस भी कई दिनों से जगह–जगह नौकरी के लिए भटक रहा था। पर उसे नौकरी नहीं मिल रही थी, इसके कारण वह मानसिक तनाव से गुजर रहा था। इंस्पेक्टर सुनील सिंह ने बताया कि मानस के अनुसार तमंचा होने की जानकारी उसे नहीं थी। जांच में पता चला है कि उदय बाराबंकी से ही तमंचा लेकर आया। शायद पूर्व से ही उसने आत्महत्या का निर्णय ले रखा था। फिलहाल पता लगाया जा रहा है कि यह तमंचा उसे कहां से प्राप्त हुआ था।

शौचालय वीडियो विवाद रू एनसीडब्ल्यू सदस्य खुशबू ने मामले को सांप्रदायिक रंग न देने की अपील की

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की सदस्य खुशबू सुंदर ने उडुपी के एक पैरामेडिकल कॉलेज के शौचालय में कथित रूप से एक लड़की का वीडियो बनाने के मामले में किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने या घटना को सांप्रदायिक रंग न देने का अनुरोध किया। वह बृहस्पतिवार सुबह कॉलेज पहुंचीं। उनके साथ उडुपी के जिला पुलिस अधीक्षक अक्षय हाके मच्छिंद्र तथा आयोग के अन्य सदस्य भी हैं। सुंदर इस मामले की जांच के संबंध में क लेज प्रबंधन, पीड़िता तथा घटना में शामिल छात्राओं से बातचीत कर रही हैं। क लेज निदेशक रश्मि, अकादमिक समन्वयक बालेंष्ण, प्राचार्य राजीप मंडल, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की वकील मैरी श्रेष्ठ और अन्य भी बातचीत में शामिल रहे। बुधवार को उडुपी पहुंची सुंदर ने संवाददाताओं से कहा था कि पुलिस के तमाम प्रयासों के बाद भी कोई ठोस सबूत नहीं मिला है। इससे पहले उन्होंने उपायुक्त विद्याकुमारी और पुलिस अधीक्षक हाके अक्षय मच्छिन्द्र के साथ बैठक की। सुंदर ने कहा कि जांच जारी है और इस मामले की व्यापक पड़ताल किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि एनसीडब्ल्यू और पुलिस को अभी तक कोई सबूत नहीं मिला है। जब तक ठोस सबूत नहीं मिल जाते, तब तक आरोपपत्र दाखिल नहीं किया जा सकता। उन्होंने बताया कि पुलिस ने कथित तौर पर वीडियो बनाने वाली तीन लड़कियों के मोबाइल फोन डेटा पुनर्प्राप्ति के लिए भेज दिए हैं। उन्होंने बताया कि आरोप–पत्र दाखिल करने से पहले डेटा को विस्तृत रिपोर्ट के लिए एफएसएल प्रयोगशाला भेजा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एनसीडब्ल्यू और पुलिस अपना काम कर रही हैं और न्यायाधीश की भूमिका निभाए बगैर हम जांच पूरी करेंगे। उन्होंने कहा कि आयोग महिलाओं की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और वह किसी भी सांप्रदायिक पहलू को ध्यान में रखकर काम नहीं करता।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तिथि तय! पीएम मोदी को भेजा गया औपचारिक निमंत्रण

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले में राम जन्मभूमि स्थल पर बन रहे भव्य मंदिर के पवित्र गर्भगृह में भगवान राम की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए औपचारिक रूप से प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया है। जनवरी २०२४ में होने वाले इस समारोह में लगभग १०,००० मेहमान मौजूद रहेंगे। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि उन्होंने १५ जनवरी से २४ जनवरी के बीच कई तारीखों की पेशकश की है। हालांकि, उन्होंने कहा, सटीक तारीख प्रधानमंत्री द्वारा निर्धारित की जाएगी। ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास द्वारा हस्ताक्षरित निमंत्रण पत्र में कहा गया है कि पीएम की उपस्थिति से भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। बताया जा रहा है कि सुरक्षा एजेंसियों ने समारोह के लिए एक अचूक, अतिथि–उन्मुख सुरक्षा तंत्र तैयार किया है। अयोध्या प्रशासन सुरक्षा एजेंसियों के साथ सहयोग कर रहा है क्योंकि उसे श्रद्धालुओं के काफी संख्या में आने की उम्मीद है। मंदिर का भूतल इस साल दिसंबर तक पूरा होने की संभावना है और इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए, निर्माण कार्य अब १८ घंटे की शिफ्ट की जगह, चौबीसों घंटे चलाया जा रहा है। मंदिर ट्रस्ट ने कार्यबल को ५५० से बढ़ाकर लगभग १,६०० मजदूरों और तकनीशियनों तक कर दिया है। गौरतलब है कि मार्च में राम मंदिर को महज १५ दिनों में १ करोड़ रुपये से ज्यादा का दान मिला था। अयोध्या राम मंदिर में 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह १५–२४ जनवरी, २०२४ तक आयोजित किया

जाएगा। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अंतिम दिन अभिषेक समारोह में शामिल होंगे। हालांकि, तारीख अभी भी प्रधानमंत्री को ही तय करना है। नृपेंद्र मिश्रा ने बताया कि राम मंदिर के कपाट प्राण प्रतिष्ठा के बाद भक्तों के लिए खुलेंगे। आम श्रद्धालु २५ जनवरी २०२४ से मंदिर में दर्शन कर सकेंगे। भव्य उद्घाटन की तैयारी अयोध्या तक ही सीमित नहीं है। सूत्रों ने कहा कि दुनिया भर में भारतीय दूतावास विभिन्न आयोजनों की तैयारी कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक गर्भगृह का मुख्य द्वार सोने से मढ़वाया जाएगा, उस पर भी सोने की नक्काशी होगी। मंदिर का १६१ फीट ऊंचा शिखर भी सोने से मढ़ा जाएगा।

सपा पार्षद पर लगा रंगदारी मांगने का आरोप

लखनऊ। गुड़म्बा थानाक्षेत्र अन्तर्गत शंकर पुरवा प्रथम वार्ड से सपा पार्षद पंकज यादव और उसके समर्थकों पर रंगदारी मांगने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित का आरोप है कि सपा पार्षद सरकारी जमीन की खोदाई और रास्ता बनवाने के लिए रंगदारी मांग रहा है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच–पड़ताल शुरू कर दी है। बीबियापुरवा रजौली गांव के रहने वाले शिवम यादव के परिजनों ने एक जमीन बेची थी। बताया कि खरीद–फरोख्त के बीच मौजूदा सपा पार्षद पंकज यादव और उनके साथी महेंद्र यादव बिचौलिया थे। शिवम ने बताया कि पिता एकादशी यादव ने प्लाटिंग करने के लिए खुद की जमीन से रास्ता दिया था। जिसे पर निर्मित करवा रहे थे। आरोप है कि सोमवार रात सपा पार्षद पकंज यादव साथी, महेन्द्र यादव, बलराम यादव, प्रदीप यादव उनकी जमीन पर पहुंचे और रास्ते की खोदवा दिया। इस पर शिवम और उसके पिता एकादशी ने विरोध जताया। तब पार्षद पंकज यादव ने समर्थकों के संग मिलकर पिता–पुत्र की पिटाई कर दी। और रास्ता बनाने के लिए १० लाख रुपये की रंगदारी मांगी। इनकार करने पर आरोपित पार्षद ने असलहे की बट से शिवम पर

हमला कर दिया। इसके बाद पीड़ित ने गुड़म्बा थाने में सपा पार्षद पंकज यादव समेत चार नामजद और आठ अज्ञात समर्थकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। हालांकि पार्षद का कहना है कि कुछ वर्ष पहले उन्होंने उक्त जमीन शिवरानी से खरीदी था। उन्होंने जमीन की रजिस्ट्री तीरथराम के नाम पर करवाई थी। उन्हें जमीन बेचने के बाद एकादशी दूसरे सोसइटी के हाथ रास्ते को बेच रहा है। प्रभारी निरीक्षक नितिश श्रीवास्तव ने बताया कि मामले की गहनता से जांच कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

यूपी में अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण का हो गठन : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को जलमार्ग परिवहन की प्रचुर संभावनाओ वाला राज्य बताते हुये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि प्रदेश में अंतरदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण का गठन किया जायेगा। सीएम योगी ने यहां एक उच्च स्तरीय बैठक में जलमार्गो के विकास पर विचार विमर्श किया। उन्होंने कहा कि अंतर्देशीय जल परिवहन में यात्रियों और कार्गो परिवहन के राज्य में व्यापक अवसर है। प्रदेश में जलमार्ग परिवहन का तेजी से विस्तार हो रहा है। प्रयागराज से हल्दिया तक राष्ट्रीय जलमार्ग क्रियाशील है। हमें इसे विस्तार देना होगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सदानीरा नदियों का प्रदेश है। यहां अधिकांश नदियों में हर समय नदियों में पर्याप्त जल उपलब्ध रहता है। प्रदेश में जल परिवहन की प्राचीन परंपरा रही है। एक समय था कि जब अयोध्या की राजकुमारी जलमार्ग से ही दक्षिण कोरिया गई थी। बदलते समय के साथ इस सेक्टर को उपेक्षित कर दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में जलमार्गों के सृजन विकास और उन्हें यातायात व माल ढुलाई के लिए प्रयोग में लाने के लिए ठोस प्रयास करने की आवश्यकता है। इसे नियोजित रूप देते हुए प्रदेश में अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के गठन किया जाना चाहिए। इस संबंध में राष्ट्रीय जलमार्ग प्राधिकरण और अन्य राज्यों में प्रचलित व्यवस्था का अध्ययन कर आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि यह प्राधिकरण नोडल अथ रिटी के रूप में भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के साथ समन्वय

का कार्य करेगा। प्राधिकरण द्वारा अंतर्देशीय जल परिवहन एवं पर्यटन संबंधित समस्त गतिविधियों का रेगुलेशन किया जाएगा, साथ ही, जल परिवहन से संबंधित पर्यावरण एवं सुरक्षा कानूनों का अनुपालन, जलमार्गों के विकास एवं बेहतर उपयोग के लिये हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण एवं जांच की जिम्मेदारी का निर्वहन भी करेगा। योगी ने कहा कि प्राधिकरण द्वारा अंतर्देशीय जल यातायात डेटा का अध्ययन एवं विश्लेषण किया जाना चाहिए। अंतर्देशीय जल परिवहन, पर्यटन एवं शिपिंग तथा नेविगेशन संबंधित गतिविधियों के संबंध में वैज्ञानिक अनुसंधान किया जाए। अंतर्देशीय जल परिवहन से संबंधित स्टेकहोल्डर्स एवं अधिकारियोंध कर्मचारियों का तकनीकी प्रशिक्षण भी कराया जाए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण में परिवहन मंत्री को पदेन अध्यक्ष के रूप में नामित किया जाना चाहिए, जबकि उपाध्यक्ष के रूप में जल परिवहन क्षेत्र में सुदीर्घ अनुभव रखने वाले विशेषज्ञ की तैनाती की जानी चाहिए। प्रदेश के ट्रांसपोर्ट कमिश्नर को प्राधिकरण के सीईओ की भूमिका दी जानी चाहिए। इसके अलावा, वित्त, संस्कृति, सिंचाई तथा वन सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को बतौर सदस्य सम्मिलित किया जाना चाहिए। योगी ने कहा कि नदियों के कैचमेंट एरिया में अवैध खननध बसाहट कतई न हो। इसके लिए सतर्क रहें। नदियों के चौनेलाइजेशन, सिल्ट सफाई का कार्य समय से किया जाए।

'गदर २': भारत-पाकिस्तान के रिश्ते पर सनी देओल की दो टूक

मुंबई। अभिनेता और लोकसभा सदस्य सनी देओल ने भारत और पाकिस्तान के बीच नफरत के लिए 'सियासी खेल' को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि दोनों देशों

के लोगों के दिलों में एक–दूसरे के लिए 'समान प्यार' है। अपनी आने वाली फिल्म 'गदर २' का ट्रेलर जारी करने के लिए बुधवार रात को आयोजित कार्यक्रम में अभिनेता ने कहा कि दोनों देशों के लोग एक–दूसरे से लड़ना नहीं चाहते हैं। अभिनेता ने कहा, ष्यह केवल इस बारे में नहीं है कि क्या देना है और क्या लेना है, यह इंसानियत के बारे में है। दोनों देशों के बीच कोई झगड़ा नहीं होना चाहिए। दोनों तरफ समान प्यार है। ये सियासी खेल होता है जो सब नफरतें पैदा करता है और इस फिल्म में भी आपको यही देखने को मिलेगा। गुरदासपुर से भारतीय जनता पार्टी के सांसद ने संवाददाताओं से कहा, 'जनता नहीं चाहती कि हम एक दूसरे के साथ झगड़ा करें। आखिरकार, हम एक ही धरती से हैं।' सनी देओल और अमीशा पटेल अभिनीत 'गदर २', २००१ में आई सुपरहिट फिल्म 'गदरः एक प्रेम कथा' की अगली कड़ी है। फिल्म में सनी देओल को तारा सिंह और अमीशा पटेल को सकीना की भूमिका दोहराते हुए देखा जाएगा। यह फिल्म ११ अगस्त को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

'पद्मभूषण पं.साजन मिश्र का गायन २६ को'

लखनऊ, २७ जुलाई। श्रद्धा मानव कल्याण समिति के तत्वावधान में शास्त्रीय संगीत के विद्वान एवं सुप्रसिद्ध अधिवक्ता स्वर्गीय सिद्धनाथ पाण्डेय जन्मशती के उपलक्ष्य में शास्त्रीय संगीत सम्मेलन कलामंडपम प्रेक्षागृह कैसरबाग में २६ जुलाई को शाम सवा छह बजे आयोजित किया है। कार्यक्रम के बारे में संस्था के संरक्षक व कार्यक्रम संयोजक अलोककुमार पाण्डेय ने बताया कि क्षेत्र महाप्रबन्धक कार्यालय इण्डियन बैंक और संसेंति निदेशालय के सहयोग से सम्मेलन में शनिवार २६ जुलाई को पद्मभूषण पं. साजन मिश्र और पं. स्वरांश मिश्र का गायन होगा। तबला वादन पं.अरविन्द कुमार आजाद और अरुण कुमार भट्ट करेंगे, जबकि हारमोनियम पर पं. धर्मनाथ मिश्र बैठेंगे। कार्यक्रम का संचालन प्रो. सीमा भारद्वाज करेंगी।उन्होंने बताया कि संगीत

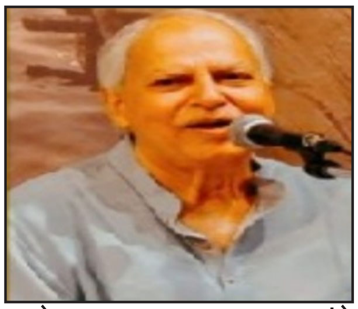

सम्मेलन का उद्घाटन भातखंडे संसेंति विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर माण्डवी सिंह करेंगी। मुख्य अतिथि के तौर पर इण्डियन बैंक के क्षेत्र क्षेत्रीय महाप्रबंधक पंकज त्रिपाठी को आमन्त्रित किया गया है। सम्मेलन में संगीत जगत के अनेक विद्वान सम्मिलित होंगे।

प्रियंका सिंह और माही श्रीवास्तव का नया गाना 'हरी हरी चुड़िया' रिलीज

मुंबई। गायिका प्रियंका सिंह और अभिनेत्री माही श्रीवास्तव का नया गाना 'हरी हरी चुड़िया' रिलीज हो गया है। बोल बम गीत 'हरी हरी चुड़िया' वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल से रिलीज किया गया है। गाने के वीडियो में दिखाया गया है कि एक कांवरिया देवघर में भोले बाबा को जल चढ़ाने के लिए जाने की तैयारी कर रहा है तो उसकी पत्नी अपने श्रृंगार की सारी चीजें देवघर बाबा धाम से लेकर आने की बात कहती है। वह कहती है कि 'जा तारा धाम करे बैजू नगरिया, काँवर सजाके घर से... हरियर हरियर चुड़िया सईया, ले अइहा देवघर से...वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स प्रस्तुत भोजपुरी बोल बम गीत के प्रोड्यूसर रत्नाकर कुमार हैं। गीतकार संतोष उत्पाती, संगीतकार विनीत शाह अनुपम, वीडियो निर्देशक विजेल, कोरियोग्राफर गोल्डी जयसवाल, डीओपी राजन वर्मा, कम्पोजर प्रियंका सिंह हैं। इस गाने का म्यूजिक राइट्स वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स के पास है।

जी 5 ने की मनोज बाजपेयी की फिल्म 'साइलेंस' के सीक्वल की घोषणा

मुंबई। ओटीटी मंच जी५ ने बुधवार को अभिनेता मनोज बाजपेयी की २०२१ की थ्रिलर फिल्म श्साइलेंसश के सीक्वल की घोषणा की। सीक्वल का निर्देशन अबन भरुचा दियोहान्स करेंगी, जिन्होंने पहले भाग का भी निर्देशन किया था। फिल्म के निर्माताओं ने एक बयान में बताया कि फिल्म में बाजपेयी एसीपी अविनाश वर्मा के अपने किरदार को दोहराएंगे, जिसने अब फिल्म निर्माण में भी कदम रखा है। बयान के मुताबिक, फिल्क की पटकथा गहरे रहस्यों से लबरेज और अप्रत्याशित उतार–चढ़ाव से भरी हुई है। ५४ वर्षीय अभिनेता ने एक बयान में बताया, श्इस किरदार के लिए मुझे बहुत प्यार और सराहना मिली थी, जिससे मैं उत्साहित हूं और इसने मुझे इस नई फिल्म के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने के वास्ते प्रेरित किया। एक अभिनेता के रूप में मैं खुद के लिए चुनौतियां तलाशता हूं और नए व अलग–अलग किरदार ढूंढता हूं। एसीपी अविनाश का किरदार भी ऐसा ही एक अद्भुत

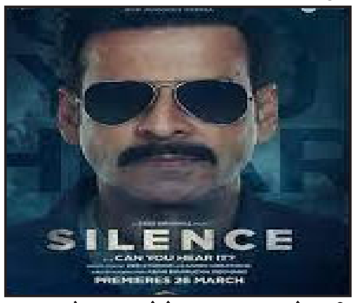

सफर है।' उन्होंने बताया, 'मुझे पूरी उम्मीद है कि दर्शक इस मजेदार नई फिल्म का आनंद लेंगे क्योंकि यह फिल्म उन्हें रहस्य और कौतूहल की दुनिया में ले जाएगी।श 'साइलेंस' के सीक्वल में प्राची देसाई, साहिल वैद और वकार शेख भी दिखाई देंगे।

निजी सचिव को छुड़ाने थाने पहुंचे शिवपाल यादव

लखनऊ। शिवपाल यादव गुरुवार रात गौतमपल्ली थाने पहुंचे। वह अपने निजी सचिव को छुड़ाने थाने पहुंचे थे। इस दौरान कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ भी थाने पर जुटने लगी थी। शिवपाल यादव के थाने पहुंचने की जानकारी होने पर पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंच गये। दरअसल, शिवपाल यादव के निजी सचिव जिसका नाम अंकुश बताया जा रहा है। उसको पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। पुलिस शिवपाल यादव के निजी सचिव से पूछताछ मे जुटी हुई है। पुलिस के कार्रवाई से नाराज बताये जा रहे हैं शिवपाल यादव।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
lt; ckt ibl
lhrkiqj
eks-9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
lqj'k ukjk;.k feJ
क्षेत्रीय सम्पादक
lkjHk dqekj] fcgkj
eks-09386075289
मो० अरशद
C;jks phQ
eऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक